शोध मंथन Vol. XIII No.II Apr.-June 2022 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X
Available at: *http:/shodhmanthan.anubooks.com*

# जनपद अमरोहा (उ०प्र०) में गन्ने की फसल के अन्तर्गत कृषि क्षेत्रफल एवं संलग्न मानव संसाधन का भौगोलिक विश्लेषण

प्राप्तिः 03.05.2022
स्वीकृतः 18.06.2022

33

**डॉ० रमेश चन्द्र**
एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग
जे०एस० हिन्दू पी०जी० कॉलिज, अमरोहा
एम०जे०पी० रूहेलखण्ड वि०वि० बरेली से सम्बद्ध
ईमेलः *dr.rameshchandra2@gmail.com*

***सारांश***

*भारत एक कृषि प्रधान देश है और देश की भांति प्रदेश और अध्ययन क्षेत्र भी कृषि प्रधान है। यहॉ की दो तिहाई जनसंख्या का मुख्य व्यवसाय कृषि है। अन्य फसलों के साथ गन्ना जनपद की मुख्य फसल है जो एक व्यावसायिक फसल है। गन्ने की फसल के अन्तर्गत जनपद में वर्ष 2012–13 में 75956 हैक्टेयर क्षेत्र आच्छादित था तथा वर्ष 2011 में जनपद में 1842263 कृषक तथा 82002 कृषि श्रमिक थे। प्रस्तुत शोध अध्ययन में यह तथ्य उभर कर सामने आया है कि जनपद में कृषकों की संख्या में लगातार कमी तथा कृषि श्रमिकों की संख्या में वृद्धि हो रही है।*

***मुख्य बिन्दु***

*कृषि, गन्ने की फसल, कृषक, कृषि श्रमिक, गन्ने की फसल के अन्तर्गत कुल क्षेत्रफल तथा सिंचित क्षेत्रफल।*

**प्रस्तावना**

गन्ने की कृषि पर विचार करने से पूर्व कृषि क्या है, इसको को समझना अति आवश्यक है। कृषि शब्द की व्युत्पत्ति कृष् धातु +इक् प्रत्यय से हुई है। कृष् का अर्थ कर्षण या खींचने से है। इक् प्रत्यय से इसका अर्थ उस विशिष्ट प्रक्रिया से होता है जिसमें कर्षण या हल चलाना सम्मिलित है। कृषि के समानार्थी अंग्रजी भाषा के शब्द एग्रीकल्चर (Agriculture) शब्द की व्युत्पत्ति लैटिन भाषा के दो शब्दों एगर (Ager) + कल्चर (Culture) से हुई है जिसमें एगर (Ager=Agerfield or soil) तथा कल्चर (Culture=the care of tilling) से है। इस व्युत्पत्ति के अनुसार फसलोत्पादन कृषि का प्रमुख कार्य है। अर्थात् भूमि को जोतकर फसल पैदा करना ही कृषि है। इस अर्थ में कृषि का सीमित स्वरूप ही स्पष्ट होता है। वास्तव में कृषि एक व्यापक आर्थिक कार्य है और यह अनेक रूपों में सम्पादित होता है। बुकानन (1959) ने कृषि शब्द को मिश्र शब्द पोर्टमाण्टयू कहा है। उनके अनुसार कृषि के अन्तर्गत मानव उपयोग के लिए खाद्य पदार्थ या कच्चा माल उत्पन्न करने के लिए मृदा के उपयोग की अत्यन्त साधारण प्रक्रिया से लेकर अत्यन्त संश्लिष्ट प्रविधियॉ सम्मिलित हैं।[1] कृषि शब्द

की संकल्पना में भूमि से फसल उत्पन्न करने के साथ ही पशुपालन, सिंचाई आदि आदि क्रियाएं सम्मिलित हैं। साथ ही अन्तर्निहित भाव यह भी है कि पौधों एवं पशुओं की उन प्रजनन प्रक्रियाओं पर भी मानव का नियन्त्रण होता है जो पौधों और पशुओं के विकास में सहायक होती हैं। निश्चित रूप से कृषि का सम्बन्ध स्थायी निवासियों से है। इन तथ्यों के आधार पर कृषि की परिभाषा इस प्रकार दी जा सकती है कि कृषि मानव के उन उत्पादक प्रयासों को कहते हैं जिनके द्वारा वह भूमि पर बस कर उसके उपयोग की कोशिश करता है और यथासम्भव पौधों और पशुओं के प्राकृतिक प्रजनन एवं वृद्धि की प्रक्रिया को तीव्र एवं विकसित बनाता है। इन सभी कार्यों का उद्देश्य मानव के लिए आवश्यक या उसके द्वारा वांछित वानस्पतिक एवं पशु उपजें उत्पन्न करना होता है। (जिमरमैन 1951, पृष्ठ 148)। इसी प्रकार के विचार जसवीर सिंह ने 1974 में प्रस्तुत किये। उन्होंने कृषि की सविस्तार व्याख्या की है। उनके अनुसार कृषि फसलोत्पादन से अधिक व्यापक है। यह मानव द्वारा ग्रामीण पर्यावरण का रूपान्तरण है जिससे कतिपय उपयोगी फसलों एवं पशुओं के लिए सम्भव अनुकूल दशाएं सुनिश्चित की जा सकें। इनकी (फसलों एवं पशुओं की) उपयोगिता सतर्क चयन से बढ़ाई जाती है। इसमें उन सभी पद्धतियों को सम्मिलित किया जाता है जिनका प्रयोग कृषक कृषि के विभिन्न तत्वों को विवेकपूर्ण ढंग से संगठित करने और अनुकूलतम उपयोग में करता है।[2] इसके साथ ही अनेक विद्वानों ने कृषि को अपने मतानुसार परिभाषित किया है जिनमें ओ.सी.वाटसन, लेजली सायमन्स, एडवर्ड हम्फी, डी.ग्रिग, एच.एच.मैकार्टी, आर.ओ. बुचानन के नाम विशेष उल्लेखनीय हैं।

**जनपद अमरोहा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि**

यदि हम वर्तमान के जनपद अमरोहा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर दृष्टि डालें तो पायेंगे कि अमरोहा मुरादाबाद मण्डल का एक प्राचीन नगर अमरोहा उस समय अस्तित्व में आया जब संस्कृत आम बोल चाल की भाषा थी। इस काल की अवधि लगभग 500 ईसा पूर्व मानी जा सकती है। इस प्रकार अमरोहा नगर को बसे हुये लगभग 2500 वर्ष से माना जा सकता है। प्राचीन स्थानीय कथाओं से इस कथन की पुष्टि होती है कि इस नगरी का संस्थापक हस्तिनापुर के एक राजा अमरजुद्ध को बताया जाता है। अमरोहा वास्तव में संस्कृत भाषा के शब्द ''अमरोवनम'' से बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ है ''आमों का स्थान''। कालान्तर में अमरोवनम में परिवर्तन होता चला गया और अमरोहा के संस्कृत नाम ''अमरोवनम्'' से अमरोह और अमरोह से अमरोहा अस्तित्व में आ गया। प्रारम्भ में जनपद अमरोहा का नाम ज्योतिबा फुले नगर था। जनपद ज्योतिबा फुले नगर के निर्माण की घोषणा 6 अप्रैल 1997 को उत्तर प्रदेश की तत्कालीन मुख्यमंत्री बहन कुमारी मायावती ने शोषित समाज के अग्रणी नेता, महाराष्ट्र के एक समाज सुधारक एवं सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फुले के नाम पर की थी। इस जनपद में 22 अप्रैल 1997 को जिलाधिकारी ने प्रथम बार कार्यभार ग्रहण किया था।[3] तत्पश्चात् समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में इस जनपद का नाम ज्योतिबा फुले नगर से परिवर्तित करके अमरोहा जनपद कर दिया गया।

**अध्ययन क्षेत्र की अवस्थिति एवं विस्तार**

जनपद अमरोहा उत्तर प्रदेश राज्य के पश्चिम में स्थित है जो कि मुरादाबाद मण्डल के अन्तर्गत आता है। जनपद का भौगोलिक विस्तार $28^0$ 53′ उत्तर से $29^0$ 14′ उत्तरी अक्षांश तक तथा देशान्तरीय विस्तार $77^0$ 58′ से $78^0$ 40′ पूर्वी देशान्तरों के मध्य स्थित है। इसके उत्तर में जनपद बिजनौर, दक्षिण में जनपद सम्भल व बदायूँ, पूर्व में जनपद मुरादाबाद तथा पश्चिम में गंगा नदी बादहू

जनपद बुलन्दशहर, हापुड़ तथा मेरठ इसकी सीमाओं का निर्धारण करते हैं। अध्ययन क्षेत्र का सम्पूर्ण भाग मैदानी है जिसमें विभिन्न छोटी बड़ी नदियॉ प्रवाहित होती हैं जिनमें गंगा नदी यहॉ की प्रमुख नदी है। अध्ययन क्षेत्र जनपद अमरोहा की समुद्र तल से औसत ऊॅचाई लगभग 200 मीटर है तथा भूमि का ढाल उत्तर से दक्षिण की ओर है। इसी कारण जनपद की अमरोहा तहसील समुद्र तल से 210 मीटर की ऊॅचाई पर है तथा दक्षिण में हसनपुर तहसील 185 मीटर की ऊॅचाई पर है। जनपद अमरोहा की जलवायु मानसूनी जलवायु से प्रभावित है। हिमालय के तराई क्षेत्र के निकट होने के कारण जनपद में सामान्यतः जलवायु ग्रीष्म ऋतु में अधिक गर्म तथा शीत ऋतु में अधिक ठण्डी व शुष्क रहती है।[4] जनपद अमरोहा का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 2249 वर्ग किमी. है। जनपद की पूर्व से पश्चिम तक अधिकतम लम्बाई 72.5 किमी. तथा उत्तर से दक्षिण तक अधिकतम लम्बाई 82.7 किमी. है। जनपद का सृजन मुरादाबाद जनपद की 3 तहसीलों – अमरोहा, हसनपुर तथा धनौरा के क्षेत्रों को सम्मिलित करते हुये किया गया था। वर्तमान में नौगांवा को तहसील का दर्जा मिलने के बाद अब जनपद में 4 तहसीलें हो गयी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के विकास हेतु जनपद में 6 विकासखण्ड – अमरोहा, जोया, गजरौला, धनौरा, हसनपुर तथा गंगेश्वरी कार्यरत हैं। नगरीय क्षेत्र में 4 नगर पालिकाएं, 4 टाउन एरिया स्थित हैं। सम्पूर्ण क्षेत्र में कुल 48 न्याय पंचायतें, 6 क्षेत्र पंचायत, 484 ग्राम पंचायतें तथा कुल ग्रामों की संख्या 1124 है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जनपद अमरोहा की कुल जनसंख्या 1840221 तथा घनत्व 818 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. एवं साक्षरता दर 50.21 प्रतिशत थी। जनपद का मुख्य व्यवसाय कृषि है। जनपद में लगभग सभी मुख्य खाद्य फसलों, सभी प्रकार की सब्जियों की कृषि की जाती है तथा गन्ना एवं आलू की कृषि मुख्य रूप से की जाती है।

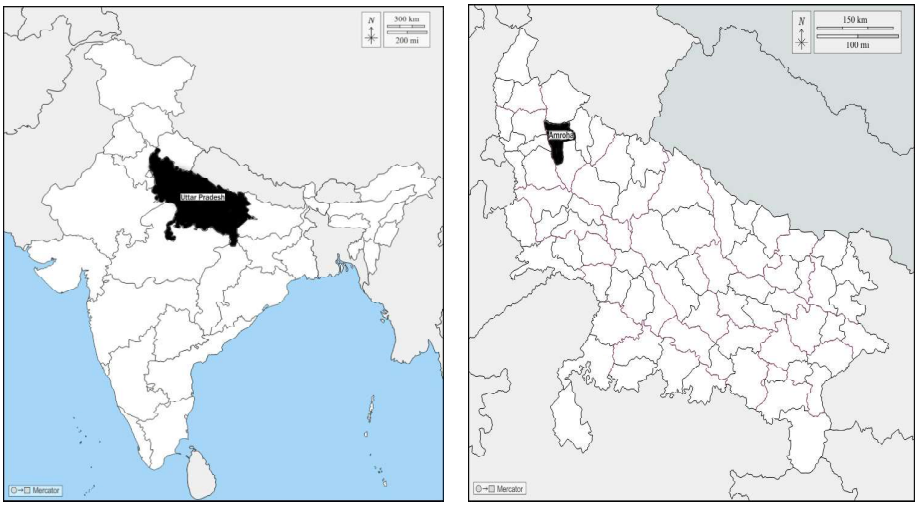


## अध्ययन का उद्देश्य

प्रस्तुत शोध पत्र के माध्यम से जनपद अमरोहा में कृषिगत क्षेत्रफल पर प्रकाश डालते हुए गन्ने की फसल के अन्तर्गत कितना हैक्टेयर क्षेत्र आच्छादित है, का पता लगाना है। इसके अतिरिक्त जनपद में कृषि कार्य में संलग्न मानव संसाधन का अध्ययन करना प्रस्तुत शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य है।

## शोध विधि तन्त्र

प्रस्तुत शोध अध्ययन में विकासखण्ड स्तर पर गन्ने की फसल के अन्तर्गत आच्छादित क्षेत्रफल को जिला सांख्यिकीय पत्रिकाओं में प्रकाशित आंकड़ों की सहायता ली गयी है तथा अन्य पत्र पत्रिकाओं तथा प्रस्तकों में प्रकाशित एवं अप्रकाशित द्वितीयक आंकडों का प्रयोग किया गया है। इसके अतिरिक्त स्पाइडर वेव साइट का भी प्रयाग किया गया है।

## कृषिगत विशेषता

अध्ययन क्षेत्र जनपद अमरोहा उत्तर प्रदेश राज्य के पश्चिमी भाग में स्थित है। यहॉ की जनसंख्या का दो तिहाई हिस्से का मुख्य व्यवसाय कृषि है। अध्ययन क्षेत्र में गेहूँ, धान, जौ, ज्वार, बाजरा, मक्का, उर्द, मूंग, मसूर, चना, अरहर, मटर, सरसो, मूंगफली तथा लगभग सभी प्रकार की सब्जियों की कृषि की जाती है। इसके अतिरिक्त आलू तथा गन्ने की कृषि मुख्य रूप से की जाती है। चूँकि प्रस्तुत शोध पत्र गन्ने की फसल तथा जनपद में कृषि में संलग्न मानव संसाधन से सम्बन्धित है, इसलिए गन्ने के बारे में अधिक जानकारी करना अति आवश्यक है।

भारत गन्ने का जन्म स्थान है। यह सैकरम आफिसीनेरम नामक बांस जैसी वनस्पति का वंशज है और उसी तरह इसकी गॉठदार पोरियॉ भी होती हैं। देश की व्यावसायिक फसलों में गन्ना प्रथम स्थान रखता है, क्योंकि समस्त व्यावसायिक फसलों में गन्ने का सबसे अधिक मूल्य का उत्पादन होता है। गन्ना उत्पादन क्षेत्र की दृष्टि से भारत का विश्व में प्रथम स्थान है। यहॉ विश्व के गन्ना क्षेत्र का लगभग 35 प्रतिशत क्षेत्र पाया जाता है। उत्पादन की दृष्टि से भारत का विश्व में प्रथम स्थान है। यह विश्व का 50 प्रतिशत गन्ने का उत्पादन करता है। भारत में गन्ने से गुड़, खांडसारी व चीनी तैयार की जाती है। यह अल्कोहल के लिए कच्चा माल तैयार करता है। इसकी खोई का प्रयोग कागज बनाने के लिए किया जाने लगा है।[5] गन्ने का पौधा लगभग एक वर्ष में तैयार होता है। इस समय इसे गर्म एवं आर्द्र दोनों प्रकार की जलवायु की आवश्यकता होती है। फसल के प्रारम्भिक दिनों में औसत तापमान 25 डिग्री से0 लाभदायक रहता है किन्तु बढ़ने के लिए 30 से 35 डिग्री से0 तापमान की आवश्यकता होती है। 40 डिग्री से0 से अधिक व 15 डिग्री से0 से कम तापमान में गन्ना पैदा नहीं होता। अत्यधिक सर्दी व पाला फसल के लिए हानिकारक है। गन्ने के लिए 100 से 150 सेमी. वर्षा की आवश्यकता पड़ती है। वर्षा की कमी को सिंचाई की सहायता से पूरा कर लिया जाता है। गन्ने के लिए उपजाऊ दोमट मिट्टी अथवा नमी से पूर्ण गहरी व चिकनी मिट्टी उपयुक्त होती है। गन्ने के पौधे को अधिक खाद की आवश्यकता पड़ती है। इसको काटने आदि कार्यों में श्रम की भारी आवश्यकता पड़ती है।

भारत में गन्ने के प्रमुख उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, कर्नाटक, हरियाणा व पंजाब हैं। उत्तर प्रदेश का देश में प्रथम स्थान है। यह पूरे देश का 47.4 प्रतिशत गन्ने का क्षेत्र है तथा यह देश का 38.24 प्रतिशत (2009–10) उत्पादन करता है। यहॉ 1984–85 में गन्ने का उत्पादन 710 लाख टन, 1985–86 में 730 लाख टन, 1999–2000 में 1246.7 लाख टन तथा 2009–10 में यह उत्पादन बढ़कर 1117.8 लाख टन हो गया। हावर्ड ने इस राज्य के गन्ना क्षेत्रों को तीन भागों में विभाजित किया है। पहला सहारनपुर से मेरठ तक, दूसरा बरेली के आस पास तथा तीसरा फैजाबाद–गोरखपुर। गन्ने के उत्पादन के प्रमुख क्षेत्र इस प्रकार हैं–

पहला : गंगा–यमुना दोआब क्षेत्रः सहारनपुर से लेकर बुलन्दशहर तक तथा आगे कानपुर इलाहाबाद के क्षेत्र शामिल हैं।

दूसरा : रूहेलखण्ड का मैदान – बिजनौर से शाहजहॉपुर तक।

तीसरा : तराई क्षेत्र – जो बिजनौर से लेकर पीलीभीत, लखीमपुर, देवरिया, पडरौना तक विस्तृत है।

चौथा : मध्य पूर्वी उत्तर प्रदेश – फरूखाबाद, कन्नौज, इटावा, सीतापुर, लखनऊ, उन्नाव, कानपुर से प्रारम्भ होकर बलिया, गाजीपुर तक राज्य की पूर्वी सीमा तक विस्तृत है।[6]

**गन्ना उत्पादन**

उत्तर प्रदेश की भॉति अध्ययन क्षेत्र जनपद अमरोहा में भी गन्ने की फसल का व्यापक स्तर पर उत्पादन किया जाता है। जनपद बिजनौर में वर्ष 1997 में 654.00, 2001 में 551.16 तथा 2011 में 555.52, जनपद सहारनपुर में वर्ष 1997 में 609.12, 2001 में 572.72 तथा 2011 में 608.72, जनपद मेरठ में 1997 में 656.00, 2001 में 617.84 तथा 2011 में 659.96, जनपद बुलन्दशहर में 1997 में 601. 60, 2001 में 560.08 तथा 2011 में 575.60, जनपद मुरादाबाद में 1997 में 642.68, 2001 में 513.16 तथा 2011 में 297.84 एवं जनपद अमरोहा में 1997 में 642.68, 2001 में 577.00 तथा 2011 में 630. 00 कुन्तल प्रति हैक्टेयर गन्ने का औसत उत्पादन हुआ था। यदि हम उक्त जिलों में गन्ने के कुल उत्पादन पर दृष्टिपात करें तो जनपद बिजनौर में 1997 में 12989434, 2001 में 11751007 तथा 2011 में 12041896, जनपद सहारनपुर में 1997 में 7174459, 2001 में 7052990 तथा 2011 में 8998814, जनपद मेरठ में 1997 में 12064890, 2001 में 7450038 तथा 2011 में 8483192, जनपद बुलन्दशहर में 1997 में 2716525, 2001 में 2510951 तथा 2011 में 2962786, जनपद मुरादाबाद में 1997 में 7318414, 2001 में 3476451 तथा 2011 में 1883924 एवं जनपद अमरोहा में वर्ष 1997 में 2432970, 2001 में 3950892 तथा 2011 में 4629114 मीट्रिक टन गन्ने का उत्पादन हुआ था।[7] उपर्युक्त जनपदों के गन्ने के उत्पादन का तीनों वर्षों के औसत के आधार पर गन्ना उत्पादन में जनपद बिजनौर का स्थान प्रथम है, जनपद मेरठ दूसरे स्थान पर, जनपद सहारनपुर तीसरे स्थान पर, जनपद मुरादाबाद चौथे स्थान पर, जनपद अमरोहा पॉचवे स्थान पर तथा जनपद बुलन्दशहर छठे स्थान पर आता है। अध्ययन क्षेत्र जनपद अमरोहा में गन्ने की फसल के अन्तर्गत क्षेत्रफल तथा उत्पादन को निम्न सारिणी के द्वारा प्रदर्शित किया गया है –

**सारिणी सं0 : 1**

**जनपद अमरोहा में गन्ने की फसल के अन्तर्गत क्षेत्रफल (हैक्टेयर में) तथा उत्पादन 1996–97 से 2012–13 तक**

| वर्ष | कुल क्षेत्रफल (हैक्टेयर में) | सिंचित क्षेत्र (हैक्टेयर में) | उत्पादन (मी0टन) | औसत उपज कुन्तल (प्रति हैक्टेयर) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1996–1997 | 75007 | 75248 | 2432970 | 642.68 |
| 1997–1998 | 80142 | 79390 | 5280877 | 658.94 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1998–1999 | 65577 | 64994 | 4157057 | 633.92 |
| 1999–2000 | 66208 | 65537 | 3724862 | 562.60 |
| 2000–2001 | 68473 | 67897 | 3950892 | 577.00 |
| 2001–2002 | 68202 | 67897 | 4062930 | 595.72 |
| 2002–2003 | 69583 | 69421 | 4208380 | 604.80 |
| 2003–2004 | 73751 | 73895 | 4431550 | 600.88 |
| 2004–2005 | 73271 | 73001 | 4545733 | 620.40 |
| 2005–2006 | 73022 | 72911 | 4558033 | 624.20 |
| 2006–2007 | 74600 | 74516 | 4716809 | 632.28 |
| 2007–2008 | 76488 | 76488 | 4198579 | 548.92 |
| 2008–2009 | 73240 | 73240 | 4072437 | 556.04 |
| 2009–2010 | 71782 | 71782 | 4359177 | 607.28 |
| 2010–2011 | 73478 | 73478 | 4629114 | 630.00 |
| 2011–2012 | 76628 | 76628 | 4669404 | 609.36 |
| 2012–2013 | 75956 | 75956 | 4880021 | 642.48 |

स्रोत : जिला साख्यिकीय पत्रिका जनपद अमरोहा 1998, 2001, 2003, 2005, 2007, 2009, 2011 व 2014 तालिका सं0 19,20 व 21

उपर्युक्त सारिणी के अवलोकन से स्पष्ट है कि जनपद में गन्ने की फसल के अन्तर्गत सबसे अधिक क्षेत्रफल 1997–98 में 80142 हैक्टेयर तथा सबसे कम 1998–99 में 65577 हैक्टेयर था जो कि 2012–13 में बढ़कर 75956 हैक्टेयर हो गया। वर्ष 2007–08 से जनपद का गन्ने का कुल क्षेत्र सिंचित हो गया है। इससे स्पष्ट होता है कि जनपद में सिंचाई सुविधाओं में सुधार हुआ है। जनपद में गन्ने का सबसे अधिक उत्पादन वर्ष 1997–98 में 5280877 मी० टन तथा सबसे कम उत्पादन 1996–97 में 2432970 मी० टन हुआ था जोकि 2012–13 में बढ़कर 4880021 मी० टन हो गया। गन्ने की प्रति हैक्टेयर औसत उपज सबसे अधिक वर्ष 1997–98 में 658.94 कुन्तल तथा सबसे कम 2007–08 में 548.92 कुन्तल प्रति हैक्टेयर रही है।

अध्ययन क्षेत्र जनपद अमरोहा में विकासखण्डवार गन्ने की फसल के अन्तर्गत क्षेत्रफल को निम्न सारिणी के द्वारा प्रदर्शित किया गया है –

**सारिणी सं0 : 2**

**जनपद अमरोहा में विकासखण्डवार गन्ने की फसल के अन्तर्गत क्षेत्र 1999–2000 से 2014–15 तक**

| विकासखण्ड का नाम | 1999–2000 | | 2000–2001 | | 2010– 2011 | | 2014–2015 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल क्षेत्र है० में | सिंचित | कुल क्षेत्र है० में | सिंचित | कुल क्षेत्र है० में | सिंचित | कुल क्षेत्र है० में | सिंचित |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| टमरोहा | 18187 | 18082 | 18750 | 18690 | 18393 | 18393 | 18944 | 18944 |
| जोया | 14010 | 13907 | 14909 | 14830 | 13645 | 13645 | 15568 | 15568 |
| धनौरा | 13222 | 13121 | 13594 | 13440 | 15247 | 15247 | 15624 | 15624 |
| ग्जरौला | 8826 | 8736 | 9047 | 9030 | 8961 | 8961 | 9924 | 9924 |
| हसनपुर | 9779 | 9640 | 10033 | 10020 | 7977 | 7977 | 7037 | 7037 |
| गंगेश्वरी | 1529 | 1540 | 1602 | 1429 | 8849 | 8849 | 10397 | 10397 |
| योग ग्रामीण | 65653 | 65026 | 67935 | 67439 | 73072 | 73072 | 77564 | 77564 |
| योग नगरीय | 555 | 511 | 538 | 458 | 406 | 406 | 217 | 217 |
| योग जनपद | 66208 | 65537 | 68473 | 67897 | 73478 | 73478 | 77781 | 77781 |

स्रोत :– जिला सांख्यिकीय पत्रिका जनपद अमरोहा 2001,2012 व 2016 तालिका सं0 19

उपर्युक्त सारिणी के अध्ययन से स्पष्ट है कि वर्ष 1999–2000 में गन्ने की फसल के अन्तर्गत क्षेत्र अमरोहा विकासखण्ड में 18187 हैक्टेयर तथा सबसे कम क्षेत्र गंगेश्वरी विकासखण्ड में 1629 हैक्टेयर था। वर्ष 2000–2001 में सबसे अधिक क्षेत्र अमरोहा विकासखण्ड में 18750 हैक्टेयर तथा सबसे कम क्षेत्र गंगेश्वरी विकासखण्ड में 1602 हैक्टेयर हो गया। वर्ष 2010–2011 में सबसे अधिक क्षेत्र अमरोहा विकासखण्ड में 18393 हैक्टेयर तथा सबसे कम क्षेत्र हसनपुर विकासखण्ड में 7977 हो गया, इसके साथ ही इस वर्ष गंगेश्वरी विकासखण्ड में गन्ने का क्षेत्र 1629 तथा 1602 से बढ़कर 8849 हैक्टेयर हो गया। वर्ष 2014–2015 में सबसे अधिक क्षेत्र अमरोहा विकासखण्ड में 18944 हैक्टयेर तथा सबसे कम क्षेत्र हसनपुर विकासखण्ड में 7037 हैक्टेयर हो गया है। इस प्रकार अमरोहा विकासखण्ड में पहले गन्ने का क्षेत्र बढ़ा है फिर कम हुआ है तथा फिर से बढ़ गया है, जबकि हसनपुर के गन्ने के क्षेत्र में गिरावट देखने को मिलती है। गन्ने के क्षेत्र में सबसे ज्यादा वृद्धि गंगेश्वरी विकासखण्ड में देखने को मिलती है जोकि 1629 से बढ़कर 2015 में 10397 हैक्टेयर हो गयी है।

**कृषि में संलग्न जनसंख्या**

अध्ययन क्षेत्र जनपद अमरोहा के निवासियों का मुख्य व्यवसाय कृषि तथा कृषि से सम्बन्धित उद्योग हैं। ग्रामीण क्षेत्र में लगभग दो तिहाई लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। जनपद अमरोहा में कृषि में संलग्न व्यक्तियों की संख्या को निम्न सारिणी के द्वारा प्रदर्शित किया गया है–

**सारिणी सं0 : 3**

**जनपद अमरोहा में कृषि में संलग्न व्यक्तियों का विवरण : 1971 – 2011**

| श्रेणी | 1971 | 1981 | 1991 | 2001 | 2011 |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| कृषक | 455329 | 532176 | 196174 | 193979 | 184263 |
| कृषि श्रमिक | 71790 | 92041 | 41105 | 47350 | 82002 |

स्रोत :– जिला सांख्यिकीय पत्रिका जनपद अमरोहा 1992, 1995, 1998, 2003, 2013 तालिका सं0 8

उपयुक्त सारिणी के अवलोकन से स्पष्ट है कि वर्ष 1971 से 1981 के दशक में कृषकों की संख्या में वृद्धि हुई है तथा 1981 से 2011 तक कृषकों की संख्या में निरन्तर गिरावट देखने को मिल रही है। यदि कृषि श्रमिकों की संख्या पर दृष्टिपात् करें तो स्पष्ट है कि 1971 से 1981 के दशक में वृद्धि हुई है तथा 1991 में गिरावट देखने को मिलती है, इसके बाद पुनः 2001 तथा 2011 में कृषि श्रमिकों की संख्या में वृद्धि देखने को मिलती है। यहॉ यह भी स्पष्ट कर देना आवश्यक है कि 1971 व 1981 व 1991 के आंकड़ों में मुरादाबाद जनपद के आंकड़ भी सम्मिलित हैं। कृषकों की संख्या में गिरावट होना इस बात का द्योतक है कि कृषि व्यवसाय से धीरे धीरे लोगों का मोह भंग हो रहा है जो कि एक चिन्ता का विषय है। दूसरी ओर कृषि श्रमिकों की संख्या में लगातार वृद्धि होना, यह संकेत देता है कि कृषक स्वयं खेती न करके दूसरे लोगों से कृषि कार्य ठेके आदि पर करा रहे हैं और यह प्रवृत्ति निरन्तर बढ़ती हुई दिखायी दे रही है। जनपद अमरोहा में विकासखण्डवार कृषि में संलग्न व्यक्तियों की संख्या को निम्न सारिणी के द्वारा प्रदर्शित किया गया है–

**सारिणी सं0 :– 4**

**जनपद अमरोहा में विकासखण्डवार कृषि में संलग्न व्यक्तियों का विवरण 1991 – 2011**

| विकासखण्ड का नाम | 1991 | | 2001 | | 2011 | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | कृषक | कृषि श्रमिक | कृषक | कृषि श्रमिक | कृषक | कृषि श्रमिक |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| अमरोहा | 29341 | 8688 | 31306 | 8613 | 27003 | 12222 |
| जोया | 37642 | 12122 | 35355 | 11148 | 32056 | 17896 |
| धनौरा | 28719 | 4757 | 28116 | 6733 | 27046 | 11895 |
| गजरौला | 25459 | 4265 | 24762 | 5503 | 23011 | 10870 |
| हसनपुर | 30787 | 3434 | 62615 | 4998 | 30104 | 10027 |
| गंगेश्वरी | 34950 | 1918 | 35590 | 4479 | 39411 | 10016 |
| योग ग्रामीण | 186898 | 35184 | 187744 | 41474 | 178661 | 72926 |
| योग नगरीय | 9276 | 5921 | 6235 | 5876 | 5602 | 9076 |
| योग जनपद | 196174 | 41105 | 193979 | 47350 | 184263 | 82002 |

स्रोत :– जिला सांख्यिकीय पत्रिका जनपद अमरोहा 1993,2003 व 2013 तालिका सं0 8

उपर्युक्त सारिणी के अवलोकन से स्पष्ट है कि वर्ष 1991 में जोया विकासखण्ड में सबसे अधिक कृषक 37642 तथा सबसे कम कृषक गजरौला विकासखण्ड में 25459 हैं, तथा सबसे अधिक कृषि श्रमिक जोया विकासखण्ड में 12122 एवं सबसे कम कृषि श्रमिक 1918 गंगेश्वरी विकासखण्ड में हैं। वर्ष 2001 में सबसे अधिक कृषक 62615 हसनपुर विकासखण्ड में तथा सबसे कम 24762 गजरौला विकासखण्ड में हैं, इसी प्रकार सबसे अधिक कृषि श्रमिक 11148 जोया विकासखण्ड में तथा सबसे कम कृषि श्रमिक 4479 गंगेश्वरी विकासखण्ड में हैं। वर्ष 2011 में सबसे अधिक कृषक 39411 गंगेश्वरी विकासखण्ड में हैं तथा सबसे कम 27003 अमरोहा विकासखण्ड में हैं। इसी प्रकार सबसे अधिक कृषि श्रमिक 17896 जोया विकासखण्ड में तथा सबसे कम कृषि श्रमिक 10016 गंगेश्वरी विकासखण्ड में हैं।

## निष्कर्ष

अध्ययन क्षेत्र जनपद अमरोहा में गन्ने की फसल 2011–12 के आंकड़ों के अनुसार 76628 हैक्टेयर क्षेत्र पर की जाती थी जिसमें सम्पूर्ण क्षेत्र सिंचित था। वर्ष 2014–15 में गन्ने की खेती का क्षेत्र अमरोहा विकासखण्ड में सबसे अधिक 18944 तथा सबसे कम क्षेत्र हसनपुर विकासखण्ड में 7037 था। पिछले वर्षों की तुलना में हसनपुर विकासखण्ड में गन्ने के क्षेत्र में गिरावट आयी है। जनपद में वर्ष 1991 में 196174, 2001 में 193979 व 2011 में 184263 कृषक थे तथा 1991 में 41105, 2001 में 47350 व 2011 में 82002 कृषि श्रमिक थे। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि जनपद में कृषकों की संख्या में निरन्तर गिरावट तथा कृषि श्रमिकों की संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है। इसका मुख्य कारण यह है कि कृषक वर्ग गॉवों से शहरों में नौकरी आदि करने के लिए चला जा रहा है और कृषि कार्य ठेके पर करा रहा है जिससे कृषि श्रमिकों में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है।

## संदर्भ

1. पाण्डेय, जे०एन०, कमलेश, एस०आर०. (2001). कृषि भूगोल. वसुन्धरा प्रकाशनः गोरखपुर. पृष्ठ **1.**
2. कुमार, प्रमिला. शर्मा, श्रीकमल. (1996). कृषि भूगोल. मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी. रविन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग. पृष्ठ **2.**
3. (2001). जनपद ज्योतिबा फुले नगर स्मारिका. जनपद स्मारिका समितिः ज्योतिबा फुले नगर. पृष्ठ **25.**
4. (2008). समाजार्थिक समीक्षा जनपद. ज्योतिबा फुले नगर. पृष्ठ **3.**
5. बंसल, एस०सी०. (2013). भारत का भूगोल. मीनाक्षी प्रकाशनः मेरठ. पृष्ठ **321.**
6. तदैव. पृष्ठ **324.**
7. (1998, 2002, 2013). जिला सांख्यिकीय पत्रिका. जनपद अमरोहा. तालिका सं0 20 व 21.
8. यू०पी०एस०डी०ई०एस०. स्पाईडर।